Annexure 3a.

2016-2017

छात्राओं द्वारा दिये गये सुझाव

1. अन्य विषय में भी एम. ए. होना चाहिए।
2. पी.जी.डी.सी.ए. एवं डी.सी.ए. प्रारम्भ होना चाहिए।
3. समान्य ज्ञान की कक्षाएँ प्रारंभ होनी चाहिए।
4. फील्ड वर्क 08 दिन की अपेक्षा 03 दिन का होना चाहिए एवं समय प्रातः का हो जिससे ग्राम सम्पर्क सही रूप में हो सके।
5. वर्तमान समय में जिन आधुनिक तकनीकों का प्रयोग होता है वह महाविद्यालय में भी उपलब्ध होनी चाहिए।
6. छात्राओं को व्यावसायिक प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए।
7. वैकल्पिक विषय में इतिहास, भूगोल जैसे विषय भी जुड़ना चाहिए।
8. जिन ग्रामों में विजिट के लिए जाते है वहॉ के ग्रामवासी उत्साह से भाग नही लेते एवं छात्राओं द्वारा दी जाने वाली सूचनाएँ भी नही सुनते अतः विजिट के स्थान पर कुछ और कार्य होना चाहिए।
9. अर्थशास्त्र पाठ्यक्रम छात्राओं की रूचि के अनुरूप हो क्योंकि इसके द्वारा हमें बहुत सी जानकारी प्राप्त होती है।
10. अर्थशास्त्र विषय पढ़ाने का तरीका सरल किया जाए, छात्राओं को यह आसानी से समझ नही आता है। अतः कुछ नवीनता लायी जाए
11. माहाविद्यालय में कम्प्यूटर एवं नेट की सुविधा और अधिक बेहतर होनी चाहिए जिससे नवीन खोंज करने में आसानी हो।
12. प्रायोगिक कक्षाओं के लिए दिए गए समय पर कक्षाएँ नही लगती है अतः इस कार्य को और अधिक उचित किया जाए।
13. विजिट कार्य में ऐसे रूचिकर विषय हो जिससे छात्राएँ प्रसन्नता के साथ कुछ अच्छा कार्य कर सकें।

14. कक्षाओं का समय सुबह का हो, दोपहर भोजन के पश्चात् नही जिससे छात्राओं को पढ़ने के पश्चात् और अतिरिक्त कार्य करने को समय मिल सके।
15. महाविद्यालय में होने वाले कार्यक्रमों की अवधि अधिक न हो, अधिक समय होने से सभी कार्य प्रभावित होते है।
16. बी. कॉम एवं बी.एस.सी. नये पाठ्यक्रम प्रारम्भ होने चाहिए।
17. अर्थशास्त्र के पाठ्यकम में परिवर्तन होना चाहिए।
18. अंग्रेजी स्पोकन कक्षाएँ सम्मिलित होनी चाहिए।
19. स्वशासी योजना के अंतर्गत महाविद्यालय मं एम. एच. एससी. ,एम.एस. डब्ल्यू एवं एम. ए. नवीन विषयों में प्रारंभ होना चाहिए।
20. सिलाई संबंधित पाठ्यकम बी. ए. की छात्राओं हेतु भी होना चाहिए
21. पाठ्यकम रोजगारन्मुखी होना चाहिए।
22. फील्ड वर्क 03 दिन का एवं पूरे दिवस का हो जिससे कार्य करने का समय मिल सके एवं नवीन ग्रामों का चयन किया जाए।

समन्वयक IQAC

प्राचार्य